एम. ए उत्तरार्द्ध हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र :आधुनिक हिन्दी काव्य

प्रस्तावना

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन पृष्ठभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ है। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्द्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचार सरणियाँ इसमें अभिव्यक्त हुई है। मुकम्मल मनुष्य इससे अभिव्यंजित हुआ है। विविध धाराओं में प्रवहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा ओर ऊर्जा का अजस स्रोत है। अतः संवेदना तथा ज्ञान क्षितिज के विस्तार के लिए इसका अध्ययन अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक है।

पाठ्य विषय

मैथिली शरण गुप्त	— साकेत (नवम् सर्ग)
जयशंकर प्रसाद	— कामायनी (श्रद्धा, लज्जा एवं रहस्य सर्ग)
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला	— राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता।
स.ही. वात्स्यायन अज्ञेय	— नदी के द्वीप, असाध्यवीणा, बावरा अहेरी, आँगन के पारद्वारा, हरी घास पर क्षणभर, सरस्वती-पुत्र, बना दे चितेरे, भीतर दाता जागा, नया कविः आत्म स्वीकार, नाच।
ग.मा. मुक्तिबोध	— अँधेरे में
नागार्जुन	— बादल को घिरते देखा है, यह तुम थे, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, चंदू मैंने सपना देखा, इन सलाखों से टिकाकर भाल, रजनीगंधा, सिन्दूर तिलकित भाल।

सन्दर्भ पुस्तक सम्पादकों द्वारा संकलित पाठ